7. वचन

हिंदी भाषा व्याकरण में जिन शब्दों द्वारा किसी वस्तु, व्यक्ति की संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। वचन द्वारा संख्या के एक या अनेक होने का पता चलता है।

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को वचन की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- कक्षा की या आसपास की वस्तुओं को दिखाकर उनकी एक-अनेक संख्या बच्चों से पूछी जा सकती है।
- पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र पर ध्यान दिलाते हुए उसका विवरण पढ़ें। तदुपरांत वचन की परिभाषा याद करवाकर बच्चों से पूछें।
- बच्चों को वचन भेदों– एकवचन तथा बहुवचन उदाहरण की सहायता से समझाएँ।
- पाठ पृष्ठ पर दी गई एकवचन-बहुवचन शब्दों की सूची बच्चों से ही पढ़वाएँ। एकवचन शब्द पढ़ें, दूसरा छात्र उसका बहुवचन रूप बोले।
- बहुवचन रूप लिखते समय वर्तनी का भी ध्यान रखना चाहिए, यह समझाएँ। जैसे– ई बहुवचन बनाते समय इ में बदल जाती है। दवाई-दवाइयाँ, मिठाई-मिठाइयाँ, टोपी-टोपियाँ आदि।
- यह भी समझाएँ कि कुछ शब्द एकवचन या बहुवचन में हमेशा एक समान ही रहते हैं। पक्षी उड़ रहा है। पक्षी उड़ रहे हैं। आँसू बह गया। आँसू बह गए।
- ध्यान रखें कि प्रत्येक बच्चा समझ पा रहा है। बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें।
- बताएँ कि संबोधन या आदर देने के लिए क्रिया का बहुवचन में प्रयोग किया जाता है। जैसे– माता जी आ गईं। शिक्षिका पढ़ा रही हैं।
- पाठ अभ्यास बच्चों से करवाएँ।